<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

27 जुलाई, 2017

<u>श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला, मीडिया प्रभारी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने निम्नलिखित बयान जारी किया :–</u>

आज सुबह बिहार में **''जनमत को धोखा, सत्ता का सौदा''** की पटकथा भाजपा व श्री नीतिश कुमार द्वारा लिखी गई। जनमत को धोखा देने वाली इस पिक्चर के दो खलनायक हैं – एक अवसरवाद के भोगी और दूसरे सत्ता के रोगी। सच यह है कि बड़बोली बातों और ईमानदारी के मुखौटे के पीछे दोनों सत्ता की भूख का चेहरा छिपाए हैं।

27 जुलाई, 2015 को प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने मुजफ्फरपुर, बिहार में कहा था कि ''श्री नीतिश कुमार के राजनैतिक डीएनए में गड़बड़ है''। आज यह साबित हो गया है कि भाजपा और जेडीयू का डीएनए एक जैसा है – अवसरवाद, विश्वासघात, सत्ता की भूख और जनमत का अपमान वाला।

नवंबर, 2015 में बिहार की जनता ने श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व व भाजपा की नीतियों को सिरे से खारिज कर दिया। बिहार की जनता का जनमत महागठबंधन की नीतियों व नेतृत्व के हक में था। इस गठबंधन में भी तीनों पार्टियों द्वारा लड़ी गई सीटों में जीतने की प्रतिशत सबसे कम श्री नीतिश कुमार के जनता दल (यूनाईटेड) की थी। इसके बावजूद, तीनों दलों की सहमति व विशेषतः श्रीमति सोनिया गांधी व श्री राहुल गांधी के हस्तक्षेप से श्री नीतिश कुमार को महागठबंधन का मुख्यमंत्री चुना गया।

प्रजातंत्र का दुर्भाग्य यह है कि 20 महीने बाद ही 'आयाराम – गयाराम' व 'अवसरवादिता' की नई परिभाषा बुनते हुए जनता द्वारा नकारी भाजपा ने सत्ताभोगी जनता दल (यूनाईटेड) से मिलकर रातोंरात सरकार बना ली। बिहार के चुनाव में न तो जनता दल यूनाईटेड को अकेले जनमत मिला था और भाजपा को तो जनता द्वारा बाहर का दरवाजा दिखाया गया था। प्रजातंत्र विरोधी व सत्ता के राजनैतिक षडयंत्र से रातों रात बनाई गई भाजपा – जेडीयू सरकार को एक दिन भी सत्ता में बने रहने का अधिकार नहीं, क्योंकि यह बिहार की जनता के जनमत के विरुद्ध है। राजनैति शुचिता और जवाददेही के किसी मापदंड पर भी यह सरकार खरी नहीं उतरती।

प्रजातंत्र और जनमत का अपमान करना अब भारतीय जनता पार्टी का ''चाल, चेहरा और चरित्र'' बन गया है। भाजपा के लिए साम, दंड, भेद से सत्ताप्राप्ति ही एकमात्र लक्ष्य बचा है, फिर उसके लिए चाहे किसी की भी बलि क्यों न देनी पड़े। पहले गोवा में जनमत का अपमान किया गया और जनता द्वारा नकार दी गई भाजपा ने जबरन सरकार बना ली। यही चलचित्र मणिपुर में दोहराया गया, जब अल्पमत में आई व नकार दी गई भाजपा ने वहां भी सरकार का गठन कर लिया। इससे पहले यही षडयंत्र उत्तराखंड व अरुणाचल प्रदेश में भाजपा द्वारा रचा गया। बिहार में तो सभी राजनैतिक मूल्यों की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई और एक ऐसी सरकार का गठन कर लिया गया, जिनके पास न जनता का विश्वास है और न ही जनमत का आदेश। भारतीय प्रजातंत्र के लिए यह एक काला दिन है। परंतु भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस प्रजातांत्रिक मूल्यों की सुरक्षा की लड़ाई निर्णायक तरीके व प्रतिबद्धता से लड़ती रहेगी।